Lecture - 95.

ओलिवर क्रॉमवेल का संवैधानिक प्रयोग

- Mamta Rani
Guest Assistant Professor
SNSRKS college, Saharsa.
Deptt. of History.
BA part - 1st
Paper - 2nd.

(1.)

13 Tuesday

ऑलिवर क्रॉमवेल :-

प्रश्न → ऑलिवर क्रॉमवेल के संवैधानिक प्रयोगों का विवेचन प्रस्तुत करें।

Ans → रम्प संसद के भंग हो जाने के बाद क्रॉमवेल इंग्लैंड का वास्तविक शासक बना रहा। इस काल में क्रॉमवेल ने अपने अपूर्व साहस एवं योग्यता का परिचय दिया और यश प्राप्त किया। उसके अनेक प्रयत्नों के बाद भी राज्य का शासन एक वैधानिक आधार पर उतारा जा सका। वह एक उदार विचार का व्यक्ति था। वह चर्च

14 Wednesday

व्यवस्था के पुराने आधार पर ही रहने देने का पक्षपाती था और प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों को उपासना की दृष्टि से देखता था। यानी वह शासन में प्राचीन परम्पराओं के पक्ष में था। जो लोग चार्ल्स प्रथम के गुट के थे वे उसे हत्यारा समझते थे। प्रेसबिटेरियन के लिये वह घृणा का पात्र था। इसका एक कारण था कि उसने अनके हाथों से सत्ता का अपहरण कर लिया था। इसी प्रकार लेवलास तथा सैनार्वेपिटस्ट आदि कट्टरपंथी भी उसके विरुद्ध थे क्योंकि बड़ी सख्ती से उसका दमन किया

गया था।

बेयरबोन्सपर्लियामेंट -

को क्रॉमवेल से 5 जुलाई 1653 ई० को एक नई पार्लिया-मेंट की स्थापना की जिसका नामकरण एक व्यक्ति के आधार पर Barebone's Parliament कही जाती है। इसमें सदस्यों की संख्या 140 संख्या थी। Indepedendent चर्च के द्वारा प्रस्तुत सूची में से क्रॉमवेल तथा उसकी सेना द्वारा मनोनित किये गये थे इसमें 6 सदस्य आयरलैंड से भी लिये गये थे। यह संस्था धार्मिक और ईमानदार प्रवृत्ति के लोगों की थी।

इन्सट्रूमेन्ट ऑफ गवर्नमेंट -

प्रथम प्रयोग की सफलता के बाद सैनिक अधिकारियों ने क्रॉमवेल के जानकार आयरटन के नेतृत्व में एक अन्य शासन विधान प्रस्तुत किया जिसे Instrument of Government की संज्ञा दी जाती है। इसके क्रॉमवेल के बिना पार्लियामेंट तथा जनता की अनुमति के ही कार्यरूप में परिणत करने का निश्चय किया। वह संविधान शोध और प्रतिशोध के

17 Saturday 291-075 Week-42

आधार पर लिखित संविधान था, जिसकी धाराओं को बदलने का अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता था इस अर्थ पर लिखित संविधान था, जिसकी धाराओं को बदलने का अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता था इस अर्थ में यह अमेरिका के संविधान से मिलता-जुलता था। शासन के प्रधान को लार्ड प्रोटेक्टर की उपाधि दी गई और प्रथम लार्ड प्रोटेक्टर (संरक्षक) क्रामवेल का उत्तराधिकारी कौन होगा इसका निर्णय वह कौंसिल करेगी। इसके अनुसार एक नवीन पार्लियामेंट बुलाई जाती। इस नवीन

18 Sunday 292-074 Week-42

पार्लियामेंट के सदस्य इंग्लैंड, स्कॉटलैंड तीनों स्थानों के होते थे। इस पार्लियामेंट का अधिवेशन तीन में एक बार आवश्यक था और इसका सत्र कम-से-कम महीने चलना चाहिए। जिनके पास 200 पौंड से अधिक भी जयदाद थी। वोट देने का अधिकार केवल उन्हें ही था। इसका सबसे बड़ा दोष यह था कि इस अकबर की दीन इलाही की भांति केवल निर्माता का ही समर्थन प्राप्त था। दूसरा दोष यह था कि इसका संशोधन कोई नहीं कर सकता था। किसी भी संविधान की सफलता के लिए दो कारण आवश्यक

है। इन्स्ट्रूमेंट के दो में से एक का भी बल नहीं था।

प्रथम पार्लियामेंट -

इन्स्ट्रूमेंट के अनुसार क्रॉमवेल को 16 दिसम्बर, सन् 1654 ई० को लार्ड प्रोटेक्टर की उपाधि से विभूषित किया गया। इस काल की प्रथम पार्लियामेंट की बैठक सितम्बर, सन 1654 ई० मे हुई। पार्लियामेंट में राजपक्ष वालों को कोई भी स्थान न दिया गया था। इस पार्लियामेंट मे संख्या रिपब्लिकनों की अधिकता थी। इसका परिणाम यह हुआ कि बैठक में कठिनाइयाँ उपस्थित हो गई। इस

पार्लियामेंट ने पदार्पण करते ही इन्स्ट्रूमेंट ऑफ द्री गवर्नमेंट की तीव्र आलोचन प्रारम्भ कर दी। पार्लियामेंट का कथन था कि पार्लियामेंट ही विधान निर्माण करने वाली परिषद है और इसे किसी को भी नहीं था।

सैनिक शासन -

जब क्रामवेल ने देखा कि वैधानिक शासन करना इसके लिए असम्भव है तो इसने इंग्लैंड का विभाजन ग्यारह फौजी जिलों मे कर दिया और एक मेजर जेनरल नामक सैनिक अधिकारी प्रत्येक जिले में नियुक्त कर दिया।

(2.)

③ ब्रिटिश टापू का संगठन -
क्रॉमवेल ने अपने कौशल से स्कॉटलैंड तथा वेल्स को पराजित करके इंग्लैंड के अधीन कर लिया। यह तीनों द्वीप वैधानिक रूप से इंग्लैंड में विलीन हो गई। इस प्रकार क्रॉमवेल ने ब्रिटिश द्वीपों का एकीकरण करके एक विशाल राज्य की स्थापना की।

④ अंग्रेजी साम्राज्य का निर्माता -
क्रॉमवेल एक कुशल राजनीतिज्ञ था।

उसने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को अनेक सुविधाओं प्रदान की, जिसके कारण ईस्ट इण्डिया कम्पनी भारतवर्ष में अपने व्यापार को उन्नत करने में सफल हो सकी। बाद में कम्पनी भारतवर्ष में अपने व्यापार की उन्नति करने में सफल हो गई।

⑤ यूरोप में इंग्लैंड का धाक जमाना
क्रॉमवेल को अपनी वैदेशिक नीति में आशातीत सफलता मिली। उसका न कोई विशेष स्वार्थ था न लालच ही। यह सदैव इंग्लैंड का यूरोप के अन्य देशों और

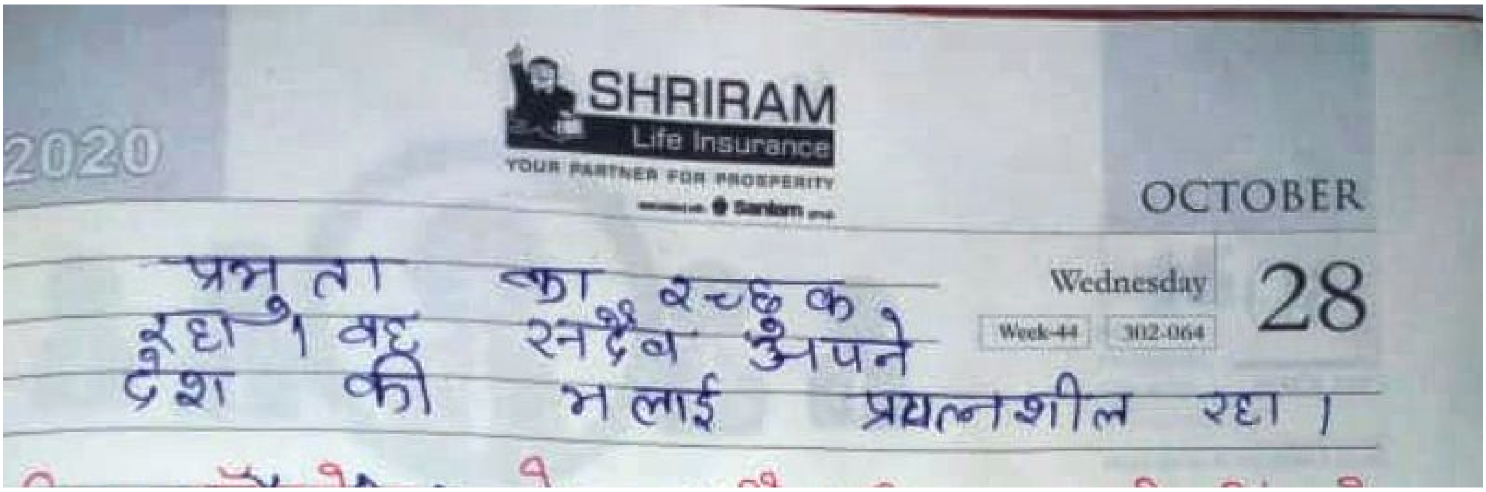
2020

SHRIRAM Life Insurance

YOUR PARTNER FOR PROSPERITY

OCTOBER

Wednesday 28

Week-44 302-064

प्रभुता का रक्षक रहा। वह सदैव अपने देश की भलाई प्रयत्नशील रहा।

(Second House) का निर्माण किया जिसमे 70 ~~सदस्य~~ सदस्य प्रोटेक्टर द्वारा मनोनीत स्थान ग्रहण कर सकते थे।

(1.)

* क्रॉमवेल का चरित्र एवं उसके कार्य का मूल्यांकन -

(1) सुख और शान्ति की स्थापना करना - इसकी महानता इसी मे थी कि गृहयुद्ध से उत्पन्न होने वाली अराजकता तथा अत्याचार पूर्ण अवस्था को देश से देश से समाप्त कर दे। इग्लैंड की जनता अनेक परस्पर विरोधी दलों में विभक्त थी। उसने अपनी योग्यता का परिचय देते हुए देश की विषम परिस्थिति पर नियंत्रण पा लिया था।

(2) प्रजातंत्र की रक्षा करना - क्रॉमवेल की दृढ़ एवं वीरतापूर्ण नीति के परिणामस्वरूप ही पार्लियामेंट ने सम्राट को वीरतापूर्वक 4 स्थानों पर हरा दिया। चार्ल्स प्रथम को फाँसी का समुचित प्रभाव दूसरे शासकों पर भी पड़ा।

21 Wednesday 295-071 Week-43

वह शासन व्यवस्था के अतिरिक्त लोगों की नैतिक भावनाओं के लिए भी उत्तरदायी था। जनता थोड़े ही दिनों में इन सैनिक शासन से ऊब गई और उसका विरोध होने लगा।

दूसरी पार्लियामेंट -

जब क्रॉमवेल को विवश होकर सितम्बर, सन् 1665 ई० में दूसरी पार्लियामेंट की बैठक करनी पड़ी। इस पार्लियामेंट में भी यह प्रतिबन्ध लगाया कि रिपब्लिकन दल के सदस्यों से अधिक सदस्य इसमें नहीं बैठ सकते हैं। शेष सदस्यों ने क्रॉमवेल के प्रति भक्ति दिखाकर कृतज्ञता प्रकट की और उन्होंने Humble petition and advice नामक एक नवीन शासन विधान क्रॉमवेल की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया।

22 Thursday 296-070 Week-43

हमबल पेटीसन एण्ड ऐडवाइज -

Humble Petation and Advice के अनुसार कौंसिल ऑफ स्टेट नामक संस्था के समाप्त कर दिया गया था। क्रॉमवेल के अधिकारों में वृद्धि कर दी गई। उससे अपना उत्तराधिकारी मनोनित करने तथा सम्राट की उपाधि धारण करने की प्रार्थना की गई और एक द्वितीया सदन